वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 321 | शनिवार 25 अप्रैल 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय का ग्यारहवाँ दीक्षांत समारोह आयोजित

स्वर्णिम भारत के लिए सब मिलकर प्रयास करें: बागड़े

राज्यपाल ने विश्वविद्यालय शैक्षणिक रिकॉर्ड को डिजिटलाइज करने के पोर्टल का शुभारम्भ किया

राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि स्वर्णिम भारत के लिए सबको मिलकर प्रयास करने की आवश्यकता है। उन्होंने अच्छी मन:स्थिति के साथ देश और समाज के समग्र विकास का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा और उपाधियों की सार्थकता यही है कि हम राष्ट्र को सर्वोच्च रखते हुए अपने सभी कार्य करें।

नई शिक्षा नीति 2020 भारत के महान गौरव से हमें जोड़ने वाली

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि दीक्षांत विद्यार्थी जीवन का नया आरम्भ है। प्राचीनकाल में गुरुकुल में गुरु शिष्य को आदर्श आचरण के लिए प्रेरित करने हेतु अंतिम शिक्षा देते थे, इसे समावर्तन संस्कार कहते थे। यही आज का दीक्षांत समारोह है। उन्होंने मैकाले द्वारा देश पर लादी गई अंग्रेजी शिक्षा पद्धति की चर्चा करते हुए कहा कि इसने हमें अपने इतिहास से विलग कर दिया। नई शिक्षा नीति 2020 भारत के महान गौरव से हमें जोड़ने वाली है। राज्यपाल बागड़े शुक्रवार को राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के ग्यारहवें दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा समस्त अभ्यर्थियों के शैक्षणिक रिकॉर्ड को डिजिटलाइज करने के प्रयासों के अंतर्गत पोर्टल पर डिग्रियों को अपलोड करने की प्रक्रिया का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि यह महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने इसके लिए केंद्र और राज्य सरकार के डिजिटल अभियान की सराहना की।

अंग्रेजों ने गुरुकुलों को नष्ट किया

राज्यपाल ने कहा कि आजादी से पहले देश में आठ लाख गुरुकुल थे। अंग्रेजों ने इन्हें नष्ट करने का काम किया। वह नहीं चाहते थे कि भारतीय दृष्टिकोण की शिक्षा विकसित हो, इसलिए देश में गुलाम मानसिकता देने वाली शिक्षा पद्धति विकसित की। अंग्रेजों ने देश के घरेलू उद्योग बंद कर दिए ताकि देश के नागरिकों को भूखा मरने दिया जाए ताकि वे हमेशा के लिए गुलाम बने रहे। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में इसलिए कौशल विकास पर जोर दिया गया है कि हम अपने साधनों से आत्मनिर्भर भारत का विकास कर सकें। इससे पहले उन्होंने युवाओं को नशे की प्रवृत्ति से दूर रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देश से नशे का व्यापार किया जाता है। पड़ोसी राष्ट्र नहीं चाहता भारत युवा देश बना रहे। नशा व्यक्ति को उम्र से पहले बूढ़ा बना देता है।

नई शिक्षा नीति भारतीयता के गौरव से जुड़ी हुई

बागड़े ने देश की नई शिक्षा नीति को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह भारतीयता के गौरव से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि भारत ने विश्व को शून्य का ज्ञान दिया। शून्य के ज्ञान से ही विश्व को गिनती आई। उन्होंने खगोल विज्ञान में भारत की देन की चर्चा करते हुए कहा कि भास्कराचार्य ने 1150 में बताया था कि पृथ्वी गोल है। गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत को उन्होंने ही प्रतिपादित किया, जिसे बाद में न्यूटन का बताया गया। उन्होंने कहा कि बप्पा रावल ने सातवीं शताब्दी में अरबों को खदेड़ा था। उन्हीं के नाम से पाकिस्तान का रावलपिंडी शहर बसा हुआ है।

मुख्यमंत्री आरोग्य आयुष्मान योजना देश की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने इस अवसर पर कहा कि राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय को एम्स की तर्ज पर देश का सर्वश्रेष्ठ चिकित्सा संस्थान के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने प्रदेश को मेडिकल टूरिज्म के रूप में भी विकसित करने के प्रयासों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राजस्थान की मुख्यमंत्री आरोग्य आयुष्मान योजना देश की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना है। उन्होंने राजस्थान में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए हो रहे प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया। देश के सुप्रसिद्ध नेत्र चिकित्सक डॉ. विकास महात्मे ने दीक्षांत व्याख्यान दिया। उन्होंने चिकित्सा शिक्षा के साथ जीवन से जुड़ी व्यावहारिकता के अंतर्गत कौशल विकास को महत्वपूर्ण बताया। कुलगुरु प्रो. प्रमोद येवले ने विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे नवाचारों और शैक्षिक उन्नयन के प्रयासों के बारे में जानकारी दी। राज्यपाल ने समारोह में विद्यार्थियों को डिग्री और पदक प्रदान किए।

पाठशाला के बच्चों को एक दिवसीय धार्मिक भ्रमण कराया गया

बड़ागांव धसान. शाबाश इंडिया

सृजन पंख ग्रीष्म शिविर 2026 के अंतर्गत श्री सन्मति दिगंबर जैन पाठशाला, फलहोड़ी बड़ागांव के सभी भैया-बहिनों को एक दिवसीय ऐतिहासिक एवं धार्मिक भ्रमण कराया गया। यह आयोजन शिविर संयोजक एवं पाठशाला अध्यक्ष डॉ. सुनील कुमार जैन शास्त्री, बड़ागांव के कुशल नेतृत्व में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रातः 5 बजे प्रारंभ हुई यह यात्रा रात्रि 11 बजे पूर्ण हुई। पूरे दिन विद्यार्थियों ने विभिन्न पावन तीर्थ क्षेत्रों एवं ऐतिहासिक स्थलों का दर्शन और अवलोकन किया। इस संबंध में जानकारी देते हुए मुकेश जैन लार ने बताया कि यात्रा का उद्देश्य बच्चों में धार्मिक संस्कार, ऐतिहासिक जागरूकता और आध्यात्मिक भावनाओं का विकास करना था। यात्रा के दौरान सबसे पहले

गोलाकोट में भगवान आदिनाथ स्वामी के दर्शन किए गए। वहां की भव्य स्थापत्य कला और शिल्प सौंदर्य को देखकर सभी विद्यार्थी अभिभूत हो उठे। इसके बाद खनियाधाना स्थित नंदीश्वर द्वीप मंदिर में दर्शन किए गए, जहां बच्चों ने श्रद्धा और भक्ति के साथ पूजा-अर्चना की। इसके पश्चात पचरई में लगभग 1000 वर्ष प्राचीन जिन मंदिरों का अवलोकन कराया गया। यहां की अद्वितीय स्थापत्य शैली और ऐतिहासिक महत्व ने विद्यार्थियों को विशेष रूप से प्रभावित किया। आगे चलकर थूबोन जी में खड्गासन भगवान आदिनाथ स्वामी के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ, जहां बच्चों ने भक्ति भाव से स्तुति प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। यात्रा के अगले चरण में चंदेरी (खंदारगिरी) में स्थित प्राचीन जिनबिम्बों के दर्शन किए गए। वहां दीवारों पर स्थापित प्रतिमाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को इतिहास और जैन धर्म की समृद्ध परंपरा के बारे में जानकारी दी गई। चंदेरी स्थित चौबीसी मंदिर में विद्यार्थियों को परम पूज्य निर्यापक मुनि श्री अभय सागर जी महाराज का मंगल आशीर्वाद प्राप्त हुआ, जो उनके लिए अत्यंत प्रेरणादायक क्षण रहा। इसके बाद विद्यार्थियों को राजघाट बांध का अवलोकन कराया गया, जहां उन्होंने प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लिया। यात्रा के अंतिम चरण में अभिनंदनोदय तीर्थ पर विराजमान भगवान अभिनंदन स्वामी के दर्शन कर गुफा के अद्भुत दृश्य का अनुभव प्राप्त किया गया। यह संपूर्ण यात्रा विद्यार्थियों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक, ज्ञानवर्धक और आध्यात्मिक अनुभूति से परिपूर्ण रही। ऐसे आयोजनों से बच्चों में न केवल धार्मिक संस्कार विकसित होते हैं, बल्कि उनके व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास भी होता है।

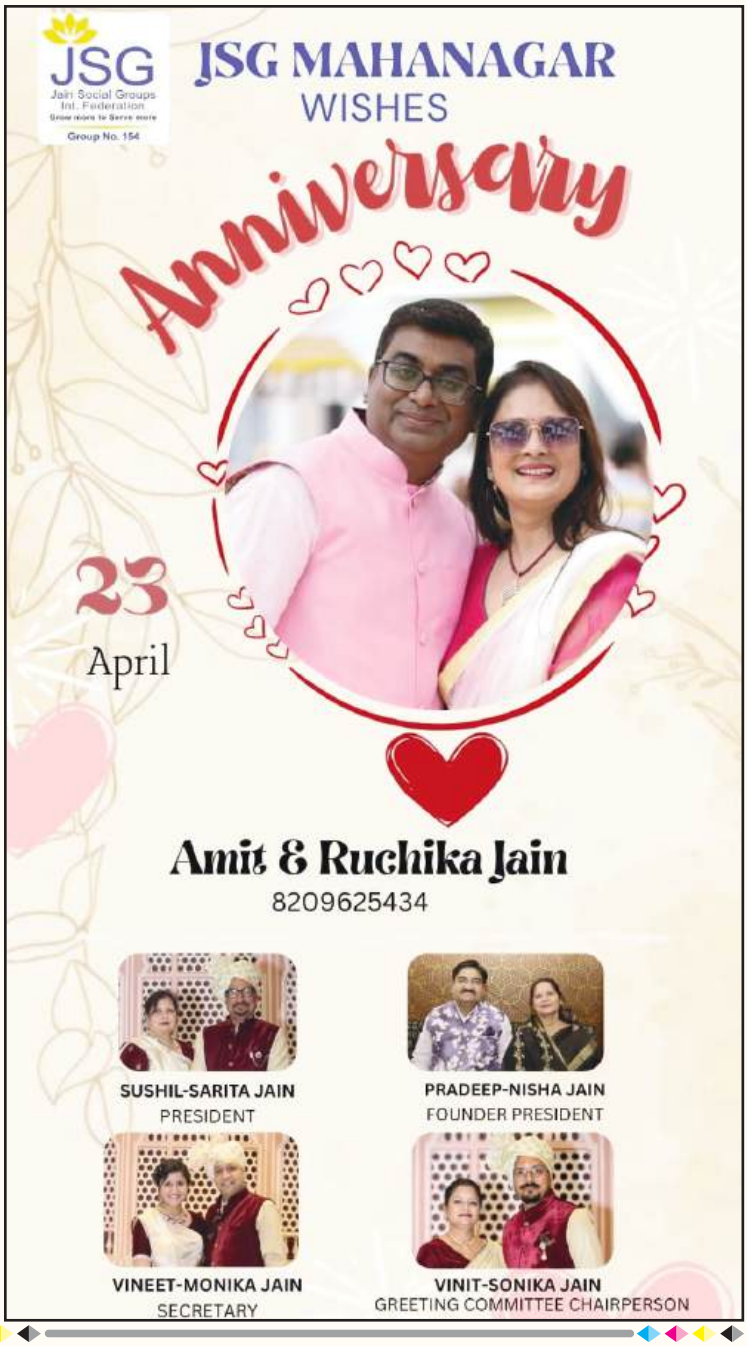

प्रार्थना: ईश्वर से संवाद का माध्यम

अनिल माथुर, ज्वाला-विहार, जोधपुर

प्रार्थना केवल शब्दों का उच्चारण भर नहीं, बल्कि मन, आत्मा और ईश्वर के बीच एक गहरा, सच्चा और आत्मीय संवाद है। यह वह माध्यम है, जिसके द्वारा मनुष्य अपने हृदय की भावनाओं, आशाओं, चिंताओं और कृतज्ञता को ईश्वर तक पहुँचाता है। जब शब्द साथ नहीं देते, तब प्रार्थना ही भावनाओं की सबसे सरल और पवित्र अभिव्यक्ति बन जाती है। प्रार्थना का वास्तविक अर्थ केवल कुछ मांगना नहीं, बल्कि ईश्वर से जुड़ना है। यह ऐसा संवाद है जिसमें हम अपनी इच्छाएँ रखने के साथ-साथ आत्ममंथन भी करते हैं—अपने भीतर झांकते हैं, अपनी कमजोरियों को पहचानते हैं और उन्हें स्वीकारते हैं। सच्ची प्रार्थना वही है, जिसमें अहंकार का लेश न हो और हृदय विनम्रता, श्रद्धा और समर्पण से भरा हो। जब हम प्रार्थना करते हैं, तो मन स्वाभाविक रूप से शांत होने लगता है। दिनभर की भागदौड़, तनाव और चिंताओं के बीच यह हमें एक ठहराव देती है, जहाँ हम स्वयं से और ईश्वर से जुड़ पाते हैं। प्रार्थना हमारे भीतर सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है और कठिन परिस्थितियों का सामना करने की शक्ति प्रदान करती है। यह केवल मानसिक शांति ही नहीं देती, बल्कि हमारे दृष्टिकोण को भी संतुलित और स्पष्ट बनाती है। प्रार्थना का एक महत्वपूर्ण आयाम कृतज्ञता है। हम अक्सर ईश्वर को तभी याद करते हैं जब हमें कुछ चाहिए होता है, लेकिन सच्ची प्रार्थना वह है जिसमें हम जीवन में मिली हर छोटी-बड़ी खुशी के लिए धन्यवाद व्यक्त करें। कृतज्ञता का भाव हमारे भीतर संतोष और आनंद को बढ़ाता है तथा हमें जीवन के प्रति अधिक सकारात्मक बनाता है। प्रार्थना किसी विशेष भाषा, स्थान या समय की मोहताज नहीं होती। यह तो हृदय की सच्ची भावना है, जिसे कहीं भी और कभी भी व्यक्त किया जा सकता है। चाहे मंदिर हो, घर हो या कोई शांत कोना—यदि मन निर्मल और भावनाएँ सच्ची हैं, तो हर स्थान प्रार्थना का पावन स्थल बन जाता है। अंततः, प्रार्थना हमें यह विश्वास दिलाती है कि हम कभी अकेले नहीं हैं। हमारे साथ एक अदृश्य शक्ति सदैव उपस्थित है, जो हर क्षण हमारा मार्गदर्शन करती है। यही विश्वास हमारे भीतर साहस, धैर्य और आशा का संचार करता है। निष्कर्षतः, प्रार्थना ईश्वर से संवाद का वह सेतु है, जो हमारे भीतर शांति, विश्वास और आत्मिक बल को जागृत करता है तथा जीवन को अधिक अर्थपूर्ण और संतुलित बनाता है।

प्रदेशभर में चलेगा एचपीवी टीका महाअभियान, सभी पीएचसी व सीएचसी पर होंगे सत्र

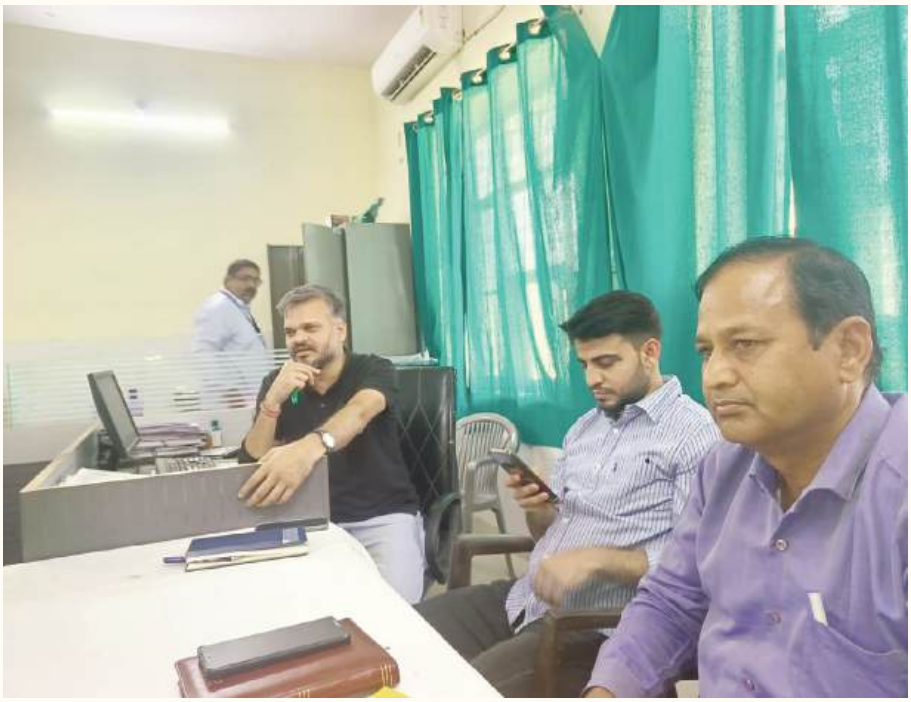

रावतसर. नरेश सिगची

प्रदेशभर में एचपीवी टीकाकरण महाअभियान बड़े स्तर पर संचालित किया जाएगा। इसकी तैयारियों को लेकर पल्लू स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार इस विशेष अभियान के तहत सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तथा चयनित स्वास्थ्य संस्थानों पर टीकाकरण सत्र आयोजित किए जाएंगे। विभाग ने अभियान को सफल बनाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं और चिकित्सा टीमों को दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। तैयारी बैठक में खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनिंदर सिंह एवं ब्लॉक प्रोग्राम ऑफिसर कृष्ण टाक विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों, आशा सहयोगिनियों, एएनएम, सीएचओ तथा अन्य कार्मिकों को अभियान को गंभीरता, समन्वय और जिम्मेदारी के साथ सफल बनाने के निर्देश दिए। डॉ. मनिंदर सिंह ने कहा कि प्रत्येक पात्र बालिका तक समय पर पहुंच सुनिश्चित की जाए और कोई भी लाभार्थी टीकाकरण से वंचित न रहे। उन्होंने निर्देश दिए कि स्वास्थ्य कार्यकर्ता घर-घर संपर्क कर अभिभावकों को टीके के लाभ, उसकी सुरक्षा और आवश्यकता के बारे में समझाएं तथा उनकी शंकाओं का समाधान करें। साथ ही टीकाकरण केंद्रों पर स्वच्छता, पेयजल, छाया, बैठने की व्यवस्था और अनुशासन बनाए रखने पर विशेष ध्यान देने को कहा। ब्लॉक प्रोग्राम ऑफिसर कृष्ण टाक ने निर्देश दिए कि सभी केंद्रों पर रिकॉर्ड संधारण, लाभार्थियों की सूची, वैक्सीन की उपलब्धता, रिपोर्टिंग एवं मॉनिटरिंग कार्य समय पर सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया, व्हाट्सएप समूह, ग्राम स्तर प्रचार और जनसंपर्क माध्यमों के जरिए अधिक से अधिक लोगों तक सही जानकारी पहुंचाई जाए, ताकि कोई भी परिवार अफवाहों के कारण टीकाकरण से दूर न रहे। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ. विपिन कुमार ने बताया कि एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) वैक्सीन बालिकाओं को भविष्य में होने वाले सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाने में अत्यंत प्रभावी और सुरक्षित है। समय पर टीकाकरण से कैंसर के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। उन्होंने इसे बालिकाओं के स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। अभियान के तहत सभी टीकाकरण केंद्रों पर वैक्सीन की पर्याप्त उपलब्धता, प्रशिक्षित स्टाफ, लाभार्थियों की सूची, बैठने की व्यवस्था, पेयजल, छाया, स्वच्छता और रिकॉर्ड संधारण जैसी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीमें पूरे दिन टीकाकरण कार्य में सक्रिय रहेंगी। सेक्टर हेल्थ सुपरवाइजर रोहिताश ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपनी पात्र बालिकाओं को निर्धारित केंद्रों पर समय पर लेकर आएं और इस सरकारी अभियान का लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि यह टीका पूरी तरह सुरक्षित, वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित और स्वास्थ्य विशेषज्ञों द्वारा अनुशंसित है। साथ ही लोगों से अपील की गई कि सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों और भ्रामक जानकारी पर ध्यान न दें तथा किसी भी शंका की स्थिति में नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या स्वास्थ्य कार्यकर्ता से संपर्क करें। स्वास्थ्य विभाग ने सभी नागरिकों से इस महाअभियान को सफल बनाने, सही जानकारी फैलाने और अपनी बेटियों के सुरक्षित भविष्य के लिए एचपीवी टीका अवश्य लगवाने की अपील की है।

संदेश: सुरक्षित बेटी-स्वस्थ नारी-स्वस्थ समाज। एचपीवी टीका जरूर लगवाएं।

मौसम

भीषण गर्मी का प्रकोप

कांतिलाल मांडोत

उत्तर भारत से लेकर पश्चिम और मध्य भारत तक इन दिनों गर्मी ने अपना विकराल रूप धारण कर लिया है। तापमान लगातार नए रिकॉर्ड की ओर बढ़ रहा है, जिससे आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। सड़कों पर निकलना कठिन हो गया है, हवा में तपिश घुल चुकी है और दोपहर का समय मानो आग बरसा रहा है। लोग अत्यावश्यक कार्यों को छोड़कर घरों में रहने को मजबूर हैं, जबकि बाहर निकलने वाले लोग छाता, गमछा या कपड़े से खुद को ढककर ही कदम रख रहे हैं। बच्चे, बुजुर्ग और श्रमिक वर्ग इस गर्मी की सबसे अधिक मार झेल रहे हैं। लखनऊ में तापमान 41 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है, जो सामान्य से काफी अधिक है। इसके चलते गर्मी की तीव्रता और भी बढ़ गई है। स्कूलों के समय में बदलाव कर उन्हें सुबह जल्दी खोलकर दोपहर 12:30 बजे तक बंद किया जा रहा है, ताकि बच्चों को तेज धूप से बचाया जा सके। इसके बावजूद घर लौटते समय बच्चों को प्रचंड गर्मी का सामना करना पड़ता है। कई बच्चे थकान, अत्यधिक पसीना और चक्कर जैसी समस्याओं से जूझते नजर आ रहे हैं। सिर्फ उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि देश के अन्य हिस्सों में भी हालात चिंताजनक हैं। मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि अगले कुछ दिनों तक तापमान में विशेष गिरावट की संभावना नहीं है। कई क्षेत्रों में लू चलने के आसार हैं, जो स्वास्थ्य के लिए अत्यंत खतरनाक साबित हो सकती है। दिन ही नहीं, बल्कि रात के समय भी गर्म हवाएं लोगों को राहत नहीं दे रही हैं, जिससे नींद और स्वास्थ्य दोनों प्रभावित हो रहे हैं। राजस्थान के कई शहरों में तापमान 40 डिग्री से ऊपर पहुंच चुका है और कुछ स्थानों पर 45 डिग्री तक जाने की आशंका जताई जा रही है। कोटा में पारा 42 डिग्री तक पहुंच चुका है, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। दिन और रात के तापमान में अंतर भी स्वास्थ्य के लिए चुनौती बन रहा है। वहीं गुजरात में भी गर्मी का प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है। प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह सतर्क हैं। अस्पतालों में विशेष 'हीट वार्ड' बनाए गए हैं और कई स्थानों पर ओआरएस केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहां लोगों को निःशुल्क ओआरएस उपलब्ध कराया जा रहा है। यह कदम दशार्ता है कि सरकार इस संकट को गंभीरता से लेते हुए पूर्व तैयारी कर रही है।

संपादकीय

लोकतंत्र की जीत या सत्ता परिवर्तन का संकेत?

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के पहले चरण का मतदान 23 अप्रैल को संपन्न हुआ और इसने भारतीय लोकतंत्र की जीवंतता का एक बार फिर प्रमाण दिया। राज्य की 294 सीटों में से 152 विधानसभा क्षेत्रों में लगभग 3.6 करोड़ मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। सबसे उल्लेखनीय तथ्य यह रहा कि इस चरण में 92.59 प्रतिशत का रिकॉर्ड मतदान दर्ज किया गया, जो राज्य के चुनावी इतिहास में अब तक का सर्वोच्च स्तर माना जा रहा है। 16 जिलों में फैले इस चरण में तृणमूल कांग्रेस, भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस और वामपंथी दलों के बीच कड़ा और बहुकोणीय मुकाबला देखने को मिला। विशेष रूप से उत्तर और दक्षिण बंगाल के विभिन्न क्षेत्रों में मतदाताओं की लंबी कतारें और महिलाओं की सक्रिय भागीदारी ने इस चुनाव को और भी महत्वपूर्ण बना दिया। यह उच्च मतदान प्रतिशत तब और भी चर्चा का विषय बन गया, जब विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान लाखों मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जाने की बात सामने आई थी। हालांकि, इस उत्साहजनक भागीदारी के बीच कुछ चिंताजनक घटनाएं भी सामने आईं। कई स्थानों पर हिंसा की छिटपुट घटनाएं, कच्चे बम फेंके जाने और उम्मीदवारों पर हमलों की खबरें आईं। सुरक्षा बलों की व्यापक तैनाती के बावजूद कुछ संवेदनशील क्षेत्रों में तनाव बना रहा। इन घटनाओं ने यह सवाल जरूर खड़ा किया है कि क्या लोकतंत्र केवल मतदान प्रतिशत से मजबूत होता है या शांतिपूर्ण प्रक्रिया भी उतनी ही आवश्यक है। राजनीतिक बयानबाजी भी अपने चरम पर रही। एक ओर जहां सत्तारूढ़ दल ने अपनी जीत को लेकर भरोसा जताया, वहीं विपक्षी दलों ने भी बेहतर प्रदर्शन के दावे किए। इस तरह के दावे चुनावी प्रक्रिया का स्वाभाविक हिस्सा हैं, लेकिन वास्तविक तस्वीर मतगणना के बाद ही स्पष्ट होगी। दूसरी ओर, केरल में 9 अप्रैल को एक ही चरण में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण रहे। वहां लगभग 75 से 78 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जो पिछले चुनाव की तुलना में थोड़ा अधिक है। केरल में मुख्य मुकाबला वाम लोकतांत्रिक मोर्चा और यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट के बीच रहा, जबकि अन्य दलों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। वहां चुनावी विमर्श मुख्यतः विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार जैसे मुद्दों पर केंद्रित रहा। पश्चिम बंगाल और केरल के चुनावी परिदृश्य की तुलना करें तो स्पष्ट होता है कि दोनों राज्यों में राजनीतिक संस्कृति और मुद्दों की प्रकृति भिन्न है। बंगाल में जहां पहचान और सत्ता परिवर्तन की बहस प्रमुख है, वहीं केरल में विकास और प्रशासनिक प्रदर्शन अधिक महत्वपूर्ण नजर आता है। उच्च मतदान प्रतिशत को अक्सर सत्ता विरोधी लहर का संकेत माना जाता है, लेकिन यह निष्कर्ष हर बार सही नहीं होता। कई बार यह मतदाताओं की जागरूकता और लोकतंत्र के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का भी प्रतीक होता है। ऐसे में यह कहना जल्दबाजी होगी कि यह मतदान सीधे तौर पर सत्ता परिवर्तन की ओर इशारा करता है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

आचार्य महाश्रमण का 65 वां जन्मदिवस

ललित गर्ग

मानव इतिहास के इस अशांत और संक्रमणकालीन दौर में, जहां विश्व युद्ध, हिंसा और वैचारिक टकरावों से जूझ रहा है, शांति और मानवीय मूल्यों की पुकार तीव्र हो उठी है। ऐसे समय में आचार्य महाश्रमण एक ऐसे आध्यात्मिक प्रकाशस्तंभ के रूप में उभरते हैं, जिनका चिंतन किसी संप्रदाय तक सीमित न रहकर संपूर्ण मानवता के कल्याण को समाहित किए हुए है। उनका व्यक्तित्व भगवद्गीता के 'त्रिगुणातीत' संदेश को मूर्त करता है, जो शुद्ध आत्म-चेतना में स्थित होकर समष्टि के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है।

आचार्य महाश्रमण का जीवन दर्शन 'रहें भीतर, जीएं बाहर' के सूत्र पर आधारित है। आज का मनुष्य बाहरी उपलब्धियों की अंधी दौड़ में अपने आंतरिक शून्य को अनदेखा कर रहा है, जिससे तनाव और हिंसा का जन्म होता है। आचार्य श्री सिखाते हैं कि यदि भीतर शांति है, तो बाहरी जीवन स्वतः सुव्यवस्थित हो जाता है। उनकी 'अहिंसा यात्रा' एक ऐतिहासिक पहल है, जो दांडी यात्रा और भूदान आंदोलन की याद दिलाती है।

यह पदयात्रा केवल शारीरिक भ्रमण नहीं, बल्कि विचारों की वह क्रांति है जो संवाद और संस्कारों से संचालित होती है। उन्होंने नशामुक्ति, सदाचार और नैतिकता के माध्यम से लाखों लोगों के जीवन को नई दिशा दी है। उनकी दृष्टि 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना को साकार करती है।

वे व्यक्ति को उसकी जाति या धर्म से नहीं, बल्कि उसके गुणों से आंकते हैं। यह समन्वयवादी दृष्टिकोण आज की पहचान की राजनीति और सांस्कृतिक विभाजन के दौर में अत्यंत प्रासंगिक है। आचार्य तुलसी और आचार्य महाप्रज्ञ जैसी महान परंपराओं के सान्निध्य में विकसित उनका जीवन आत्मानुशासन और सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण है। बाल्यावस्था में दीक्षा से लेकर आचार्य पद तक की उनकी यात्रा त्याग और संकल्प की अनूठी गाथा है। उनकी बौद्धिक प्रतिभा का प्रमाण 'उत्तराध्ययन सूत्र' और 'भगवद्गीता' का तुलनात्मक अध्ययन है, जो सिद्ध करता है कि सत्य किसी एक परंपरा का एकाधिकार नहीं है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में, जहां परमाणु हथियारों की होड़ मानव अस्तित्व के लिए खतरा है, आचार्य श्री का 'अहिंसा का शंखनाद' एक जीवनदायी संदेश है।

वे मानते हैं कि शांति का मार्ग हथियारों से नहीं, बल्कि करुणा और सहिष्णुता से प्रशस्त होता है। उनके नेतृत्व में तेरापंथ धर्मसंघ ने शिक्षा, स्वास्थ्य और नैतिक जागरण में अभूतपूर्व योगदान दिया है। इस वर्ष, जैन विश्व भारती में उनके सान्निध्य में योगक्षेम वर्ष के रूप में एक नया आध्यात्मिक इतिहास रचा जा रहा है। देशभर के साधु-संतों और श्रावक समाज को एक स्थान पर बुलाकर जैन दर्शन, योग, ध्यान और जीवन मूल्यों का जो गहन प्रशिक्षण दिया जा रहा है, वह आधुनिक काल का एक अनूठा प्रयोग है। आचार्य श्री की सबसे बड़ी विशेषता उनकी समय प्रबंधन क्षमता है। उनकी कार्य-व्यस्तता कभी व्यग्रता में नहीं बदलती, क्योंकि उनकी प्रत्येक क्रिया आंतरिक स्थिरता और स्थितप्रज्ञता से उपजी होती है। आचार्य महाश्रमण का चिंतन एक नए युग का उद्घोष है जहां विज्ञान और अध्यात्म, भौतिकता और नैतिकता के बीच संतुलन हो। वे हमें विश्वास दिलाते हैं कि वास्तविक प्रगति केवल तकनीकी उन्नति में नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों के विकास में निहित है। वे केवल एक धर्मगुरु नहीं, बल्कि एक युगद्रष्टा हैं, जिनकी निर्गुण चदरिया हमें शुद्ध चेतना की ओर ले जाती है।

गायत्री नगर में तीन दिवसीय वार्षिकोत्सव का शुभारंभ

24 घंटे के णमोकार अखंड पाठ से शुरूआत

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन मंदिर, गायत्री नगर (महारानी फार्म) प्रबंध समिति, जयपुर के तत्वावधान में तीन दिवसीय वार्षिकोत्सव का शुभारंभ 24 अप्रैल 2026 से हुआ। यह आयोजन 24 से 26 अप्रैल तक परम पूज्य आचार्य श्री प्रज्ञा सागर जी महाराज की प्रेरणा एवं आशीर्वाद से आयोजित किया जा रहा है। वार्षिकोत्सव की शुरूआत 24 अप्रैल को प्रातः 8:00 बजे मांगलिक क्रियाओं के साथ 24 घंटे के णमोकार महामंत्र के अखंड पाठ से हुई। विधानाचार्य पं. अजित शास्त्री (गायत्री नगर) ने तारा चंद मनोज बोहरा परिवार एवं समाजजनों के सहयोग से विधिवत कार्यक्रम का शुभारंभ कराया। अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन ने बताया कि कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलन मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष कैलाश छाबड़ा, उपाध्यक्ष अरुण शाह, मंत्री राजेश बोहरा, मनोज बोहरा, उदयभान जैन, पुलक मंच की राष्ट्रीय महामंत्री बीना टोंग्या तथा मुनि वैय्यावृत्ति महिला समूह की अध्यक्ष प्रमिला शाह सहित अन्य गणमान्यजनों द्वारा किया गया। आचार्य श्री प्रज्ञा सागर जी महाराज ने अपने प्रवास के दौरान विश्व णमोकार महामंत्र दिवस के अवसर पर कहा कि णमोकार महामंत्र 84 लाख मंत्रों का जन्मदाता है, यह पुण्य संवर्धन का महान स्रोत और आत्मकल्याण का द्योतक है। उन्होंने समाजजनों से 24 घंटे के अखंड पाठ के आयोजन का आह्वान किया था, जिसके अंतर्गत प्रत्येक घंटे के पाठ हेतु विभिन्न परिवारों का चयन किया गया। कार्यक्रम का संचालन अरुण शाह ने किया। उन्होंने जानकारी दी कि 25 अप्रैल को णमोकार अखंड पाठ के समापन के पश्चात प्रातः 8:30 बजे णमोकार विधान का आयोजन होगा। इसी दिन रात्रि 8:00 बजे युवा विंग द्वारा भक्ति संध्या आयोजित की जाएगी। वार्षिकोत्सव के अंतिम दिन 26 अप्रैल को प्रातः 7:30 बजे से भगवान श्रीजी की भव्य रथयात्रा निकाली जाएगी। इसके साथ ही मंदिर शिखर में विराजित जिनबिम्बों का अभिषेक सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस तीन दिवसीय आयोजन को लेकर समाजजनों में उत्साह का वातावरण बना हुआ है तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु इसमें भाग ले रहे हैं। **प्रेषक: उदयभान जैन बड़जात्या मो.: 9414306696**

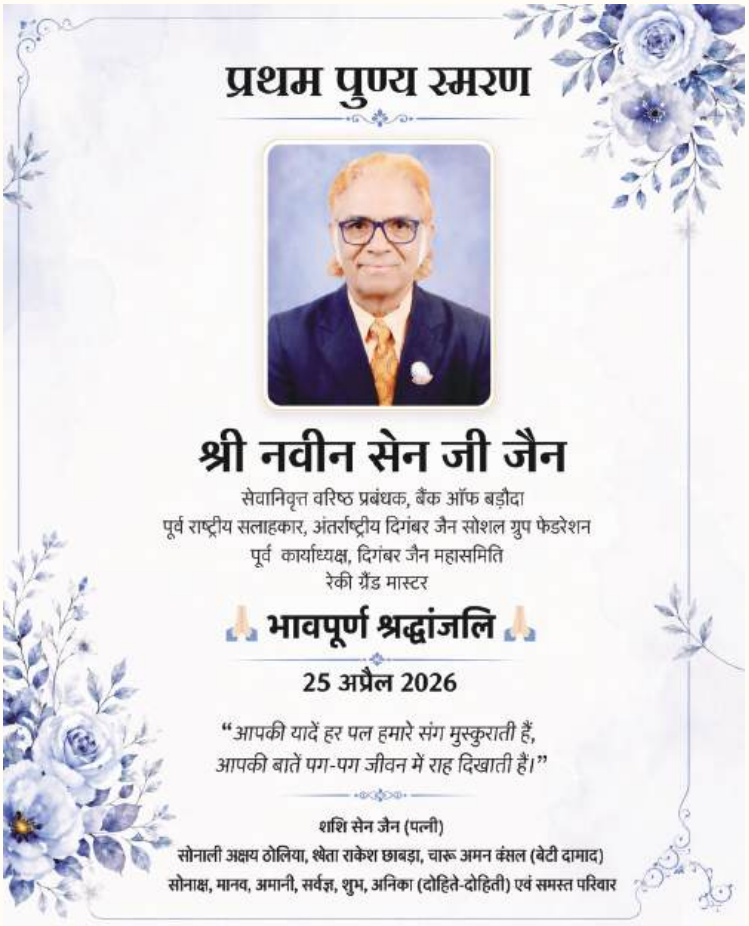

स्व. नवीन सेन जैन की प्रथम पुण्यतिथि पर 25 अप्रैल को भक्तामर दीप अनुष्ठान

जयपुर. शाबाश इंडिया। नगर के श्रद्धेय समाजसेवी स्वर्गीय नवीन सेन जैन की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर भक्तामर दीप अनुष्ठान का आयोजन 25 अप्रैल 2026, शनिवार को किया जाएगा। स्वर्गीय नवीन सेन जैन बैंक ऑफ बड़ौदा में सेवानिवृत्त वरिष्ठ प्रबंधक रहे। वे अंतर्राष्ट्रीय दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के पूर्व राष्ट्रीय सलाहकार तथा दिगंबर जैन महासमिति के पूर्व कार्याध्यक्ष के रूप में समाजसेवा से सक्रिय रूप से जुड़े रहे। उनके सरल स्वभाव, सेवा-भाव और सामाजिक योगदान को आज भी श्रद्धा के साथ स्मरण किया जाता है। कार्यक्रम सायं 7:30 बजे से बैंक्वेट हॉल, एसडीसी यूरो एक्सोटिका, श्री कुशल नगर, न्यू सांगानेर रोड फ्लाईओवर, सांगानेर, जयपुर में आयोजित होगा। इस अवसर पर परिवारजन, रिश्तेदार एवं समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित होकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। परिवार की ओर से सभी स्नेहीजनों एवं परिचितों से कार्यक्रम में पधारकर श्रद्धांजलि अर्पित करने का विनम्र अनुरोध किया गया है।

श्री आनंदीलाल पोद्दार मूक-बधिर उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों को स्टेशनरी वितरित

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री मुल्तान दिगंबर जैन महिला मंडल, आदर्श नगर, जयपुर के लिए यह अत्यंत गर्व, सम्मान और सौभाग्य का अवसर रहा कि उत्तर भारत के प्रमुख मूक-बधिर शिक्षण संस्थानों में से एक श्री आनंदीलाल पोद्दार मूक-बधिर उच्च माध्यमिक विद्यालय के कक्षा 1 से 12 तक के लगभग 350 विशेष विद्यार्थियों के लिए सेवा कार्य किया गया। महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती मधु एवं मंत्री श्रीमती नम्रता ने बताया कि सदस्यों के सहयोग से लगभग 700 कॉपियाँ एवं रजिस्टर, 350 पेन तथा फल विद्यार्थियों को वितरित किए गए। इस सेवा कार्य में सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। जन्म से मूक-बधिर इन विशेष बच्चों के चेहरों पर मुस्कान देखना महिला मंडल की सभी सदस्याओं के लिए अत्यंत भावुक, हृदयस्पर्शी और संतोषदायक अनुभव रहा। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्राचार्य, समन्वयकों (कोऑर्डिनेटर्स), शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के साथ संवाद भी स्थापित किया गया, जो सभी के लिए प्रेरणादायक और यादगार अनुभव बना। मंडल की सदस्याओं ने कहा कि ऐसे सेवा कार्य न केवल समाज के प्रति दायित्व का निर्वहन हैं, बल्कि मानवता के मूल्यों को भी सुदृढ़ करते हैं। इस अवसर पर सभी ने स्वयं को धन्य और कृतज्ञ महसूस किया कि उन्हें इस प्रकार के पुण्य कार्य का अवसर मिला। श्री मुल्तान दिगंबर जैन महिला मंडल ने भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्य निरंतर करते रहने का संकल्प व्यक्त किया।

एलक क्षीर सागर जी का कुचामन में भव्य मंगल प्रवेश

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि आचार्य 108 विद्यासागर महाराज के शिष्य एलक क्षीर सागर जी महाराज का कुचामन सिटी स्थित दिगंबर जैन नागौरी मंदिर में सैकड़ों श्रावक-श्राविकाओं की उपस्थिति में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। मंगल प्रवेश के अवसर पर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। एलक क्षीर सागर जी महाराज ने अपने प्रवचनों में श्रावक-श्राविकाओं को जीवन में स्वाध्याय को अपनाने और आत्मकल्याण की दिशा में अग्रसर होने का संदेश दिया। उन्होंने मूलनायक भगवान आदिनाथ के जीवन चरित्र पर सरल एवं प्रभावी भाषा में प्रकाश डालते हुए धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा प्रदान की। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण से हुआ, जिसे सोभागमल गंगवाल ने प्रस्तुत किया। पूरे आयोजन के दौरान भक्तिमय वातावरण बना रहा और श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

प्रेषक:
सुभाष पहाड़िया

श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर सेवा समिति, मुरलीपुरा स्कीम के चुनाव निर्विरोध सम्पन्न

पंकज जैन (महामंत्री)

नीरज जैन (अध्यक्ष)

आशीष जैन (कोषाध्यक्ष)

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर सेवा समिति, मुरलीपुरा स्कीम, जयपुर की नई प्रबंध कार्यकारिणी के गठन हेतु आयोजित चुनाव शांतिपूर्ण एवं निर्विरोध रूप से सम्पन्न हो गए। चुनाव अधिकारी श्री राजेश अजमेरा ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान कार्यकारिणी का कार्यकाल पूर्ण होने के कारण अध्यक्ष, महामंत्री एवं कोषाध्यक्ष पदों के लिए 26 अप्रैल 2026 (रविवार) को चुनाव निर्धारित किए गए थे। निर्धारित समयावधि में तीनों पदों के लिए केवल एक-एक नामांकन प्राप्त हुआ, जिसके चलते चुनाव प्रक्रिया निर्विरोध पूर्ण हो गई। निर्वाचन परिणाम के अनुसार श्री नीरज जैन (सुपुत्र श्री सुरेश चंद जैन) को अध्यक्ष, श्री पंकज जैन (सुपुत्र श्री सुनील कुमार जैन) को महामंत्री तथा श्री आशीष कुमार मित्तल (जैन) (सुपुत्र श्री रमेश चंद मित्तल) को कोषाध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। इनका कार्यकाल तीन वर्ष का रहेगा। नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को समाज की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं। सभी ने उनके सफल, पारदर्शी और मंगलमय कार्यकाल की कामना की।

भव्य जैनेश्वरी दीक्षा एवं गणिनी पद संस्कार महोत्सव 24 से 26 अप्रैल तक

"त्याग ही जीवन का सच्चा वैभव है, संयम ही आत्मा का वास्तविक आभूषण है"

अजीत कोठिया डडूका, बांसवाड़ा (राजस्थान)

बांसवाड़ा/परतापुर. शाबाश इंडिया। मूलनायक श्री 1008 नेमिनाथ भगवान एवं बाबा आदिनाथ भगवान की पावन छत्रछाया में धर्मनगरी परतापुर में 24 से 26 अप्रैल 2026 तक भव्य जैनेश्वरी दीक्षा एवं गणिनी पद संस्कार महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन जैनाचार्य पुष्पदंत सागर जी, आचार्य विद्यासागर जी महाराज एवं तपस्वी सम्राट सन्मति सागर महाराज के आशीर्वाद तथा अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज के सानिध्य में संपन्न होगा। आयोजनकर्ता श्री दशाहुमड़ दिगंबर जैन समाज, परतापुर (जिला बांसवाड़ा) के तत्वावधान में यह महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। विशेष बात यह है कि आचार्य प्रसन्न सागर जी महाराज की दीक्षा भूमि भी परतापुर ही रही है। इसी पावन भूमि पर उनके गुरु आचार्य पुष्पदंत सागर जी ने उन्हें दीक्षा प्रदान की थी और अब वही शिष्य आचार्य के रूप में अपने शिष्यों को दीक्षा संस्कार देंगे—यह अपने आप में अद्भुत और प्रेरणादायक संयोग है। आचार्य श्री ने कहा कि दीक्षा का यह महोत्सव आत्माओं के लिए सांसारिक बंधनों से विरक्ति लेकर संयम, साधना और मोक्ष मार्ग की ओर अग्रसर होने का दिव्य अवसर है। त्याग और संयम को उन्होंने जीवन का सर्वोच्च वैभव बताया। प्रवक्ता नरेंद्र अजमेरा, पियूष कासलीवाल एवं रोमिल पाटणी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस भव्य समारोह में क्षुल्लक 105 अर्धसागर जी को मुनि दीक्षा, क्षुल्लिका 105 धर्मप्रभा माताजी को आर्यिका दीक्षा, दीक्षार्थी संजय भैयाजी को मुनि दीक्षा तथा दीक्षार्थी कनक दीदी को क्षुल्लिका दीक्षा प्रदान की जाएगी।

प्रवक्ता नरेंद्र अजमेरा, पियूष कासलीवाल एवं रोमिल पाटणी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस भव्य समारोह में क्षुल्लक 105 अर्धसागर जी को मुनि दीक्षा, क्षुल्लिका 105 धर्मप्रभा माताजी को आर्यिका दीक्षा, दीक्षार्थी संजय भैयाजी को मुनि दीक्षा तथा दीक्षार्थी कनक दीदी को क्षुल्लिका दीक्षा प्रदान की जाएगी।

कार्यक्रम का विस्तृत क्रम इस प्रकार है

24 अप्रैल 2026 (शुक्रवार): प्रातः 7:30 बजे अभिषेक एवं शांतिधारा, प्रातः 8:00 बजे अंतर्मना प्रवचन, दोपहर 3:30 बजे गुरु पूजा, सायं 7:00 बजे भक्तिमय आनंद यात्रा एवं आरती, रात्रि 8:00 बजे दीक्षार्थियों की गोद भराई, हल्दी एवं मेहंदी रस्म, रात्रि 9:00 बजे नाटिका मंचन, संगीत एवं गरबा।

25 अप्रैल 2026 (शनिवार): प्रातः 7:00 बजे अभिषेक एवं शांतिधारा, 7:30 बजे गणधर वलय विधान, 8:00 बजे प्रवचन, दोपहर 3:30 बजे गुरु पूजा, रात्रि 8:00 बजे दीक्षार्थियों की बिनौली (शोभायात्रा)।

26 अप्रैल 2026 (रविवार): प्रातः 6:00 बजे अभिषेक एवं शांतिधारा, 6:30 बजे भव्य शोभायात्रा के साथ मंदिर प्रांगण से सुभाषचंद्र बोस स्टेडियम, परतापुर तक प्रस्थान, जहां आचार्य श्री द्वारा दीक्षार्थियों को जैनेश्वरी दीक्षा प्रदान की जाएगी।

इस महोत्सव में श्री नेमिनाथ नवयुवक मंडल, श्री चंदनबाला महिला मंडल, चेलना बहू मंडल एवं बेडवाबाबा बालिका मंडल सहित विभिन्न संगठन सहयोग प्रदान कर रहे हैं। आयोजन को लेकर समाजजनों में भारी उत्साह है और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।

कपट छोड़ो, सरलता अपनाओ—सच्ची समृद्धि का मार्ग

''कपट ना कीजे कोय, कपटीन के पुर ना बसे।
सरल स्वभावी होय, ताके घर बहु सम्पदा॥''

यह छोटा सा दोहा जीवन की गहरी सच्चाई को सरल शब्दों में व्यक्त करता है। मनुष्य जितना अधिक छल, कपट और दिखावे में उलझता है, उतना ही भीतर से कमजोर और अशांत होता जाता है। कपटी व्यक्ति भले ही कुछ समय के लिए दूसरों को भ्रमित कर ले, लेकिन वह स्थायी सुख और मानसिक शांति कभी प्राप्त नहीं कर पाता। उसे हमेशा अपने बनाए हुए झूठ और आडंबर को संभालने की चिंता सताती रहती है। कपट का स्वभाव संबंधों को धीरे-धीरे नष्ट करता है। जहां छल होता है, वहां विश्वास टिक नहीं पाता, और जहां विश्वास नहीं होता, वहां प्रेम, सहयोग और आत्मीयता भी समाप्त हो जाते हैं। इसीलिए कहा गया है कि कपटी के 'पुर' अर्थात उसके जीवन में स्थिरता और सच्चा सुख नहीं बसता। वह बाहरी रूप से चाहे कितना ही समृद्ध क्यों न दिखाई दे, भीतर से वह खाली ही रहता है। इसके विपरीत, सरल और निष्कपट स्वभाव वाला व्यक्ति हर परिस्थिति में सहज बना रहता है। उसे किसी प्रकार का दिखावा नहीं करना पड़ता और न ही किसी को धोखा देने की आवश्यकता होती है। उसकी वाणी में सच्चाई और व्यवहार में पारदर्शिता होती है, जिससे लोग स्वाभाविक रूप से उसकी ओर आकर्षित होते हैं और उस पर विश्वास करते हैं। यही विश्वास उसके जीवन की सबसे बड़ी पूंजी बन जाता है। सरलता का अर्थ कमजोरी नहीं है, बल्कि यह आंतरिक दृढ़ता और स्पष्टता का प्रतीक है। ऐसा व्यक्ति अपने विचारों और आचरण में सच्चा होता है, जिससे वह समाज में सम्मान प्राप्त करता है। उसके जीवन में सुख, शांति और समृद्धि स्वतः आने लगती है। ह्नताके घर बहु सम्पदाह्न का आशय केवल भौतिक धन से नहीं, बल्कि प्रेम, संतोष और आत्मिक आनंद जैसी अमूल्य संपदा से भी है। आज के दौर में, जब दिखावा और स्वार्थ तेजी से बढ़ रहे हैं, यह संदेश और भी प्रासंगिक हो जाता है। यदि हम अपने जीवन में सच्चाई और सरलता को अपनाएं, तो न केवल हमारा व्यक्तिगत जीवन बेहतर होगा, बल्कि समाज भी अधिक विश्वासपूर्ण और स्वस्थ बनेगा। अतः हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि चाहे परिस्थितियां कैसी भी हों, हम छल और कपट का मार्ग नहीं अपनाएंगे, बल्कि सरलता, सच्चाई और निष्कपटता के साथ जीवन जीने का प्रयास करेंगे। यही सच्चे सुख और स्थायी समृद्धि का मार्ग है।

नितिन जैन
संयोजकः जैन तीर्थ श्री पार्श्व पद्मावती धाम, पलवल (हरियाणा)
जिलाध्यक्षः अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन, पलवल
मोबाइलः 9215635871

श्रमण संस्कृति संस्थान के ग्रीष्मकालीन संस्कार शिक्षण शिविरों को लेकर जयपुर में उत्साह

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर (जयपुर) तथा अखिल भारतीय श्रमण संस्कृति महिला महासमिति (भारत) के तत्वावधान में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले ग्रीष्मकालीन संस्कार शिक्षण शिविरों को लेकर इस वर्ष जयपुर में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। शहर के विभिन्न जैन मंदिरों की प्रबंध समितियों ने बढ़-चढ़कर शिविर आयोजन हेतु आवेदन प्रस्तुत किए हैं। प्रचार-प्रसार प्रभारी पदम जैन बिलाला ने बताया कि इस बार जयपुर के सभी क्षेत्रों से रिकॉर्ड संख्या में–60 से अधिक जैन मंदिरों–की प्रबंध समितियों ने शिविर आयोजित करने के लिए निवेदन किया है, जो संस्था के प्रति बढ़ते विश्वास और उत्साह को दर्शाता है। शिविर संयोजक उत्तमचंद पाटनी के अनुसार इस वर्ष 17 मई से 28 मई 2026 तक शिविर आयोजित किए जाएंगे। देश-विदेश में लगभग 2000 से अधिक स्थानों पर संस्कार शिविरों का आयोजन प्रस्तावित है, जिनमें से अकेले जयपुर शहर में 60 से अधिक जैन मंदिरों में शिविर लगाए जाएंगे। शिविर सहयोगी संस्था श्री दिगंबर जैन महिला समिति, राजस्थान अंचल एवं संयुक्त संभाग की संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्षा शीला जैन ड्योडा ने जानकारी दी कि शिविरों में श्रमण संस्कृति संस्कारों के साथ-साथ छहढाला, द्रव्य संग्रह, इष्टोपदेश, रत्नकरंड श्रावकाचार, भक्तामर स्तोत्र, तत्वार्थ सूत्र जैसे महत्वपूर्ण धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन कराया जाएगा। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु भाषण, चित्रकला, नाटक और निबंध लेखन जैसी गतिविधियां भी आयोजित की जाएंगी। निदेशिका डॉ. वंदना जैन एवं अंचल अध्यक्षा शालिनी बाकलीवाल ने बताया कि प्रत्येक मंदिर से विभिन्न विषयों में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों के लिए ''रत्नाकर अवॉर्ड'' हेतु 30 मई को प्रातः परीक्षा आयोजित की जाएगी। इसके पश्चात 31 मई को भव्य समापन समारोह आयोजित होगा। जयपुर शिविर प्रभारी विनीता जैन, दीपिका बिलाला, अंजना जैन एवं चंदा सेठी ने बताया कि मंदिरों से प्राप्त जानकारी के अनुसार शिविरों के लिए संस्थान द्वारा विद्वान एवं विदुषियों को शिक्षण कार्य हेतु भेजने तथा पाठ्य-पुस्तकों की आपूर्ति की व्यवस्थाएं प्रारंभ कर दी गई हैं। साथ ही शिक्षकों के प्रशिक्षण हेतु भी शीघ्र कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जयपुर में इन संस्कार शिविरों के माध्यम से प्रतिवर्ष 10,000 से अधिक श्रावक-श्राविकाएं धर्म लाभ प्राप्त करते हैं, जो इस पहल की व्यापकता और प्रभाव को दर्शाता है।

जिंदगी को नैगलेक्ट मत करो, जीना सीखो: मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज

धर्मसभा के साथ चल रहा जिज्ञासा समाधान कार्यक्रम

मुंगावली. शाबाश इंडिया

सुधासागर सभागार में आयोजित विशाल धर्मसभा में राष्ट्रसंत मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ने जीवन के सार्थक उपयोग और सकारात्मक दृष्टिकोण पर प्रेरणादायक उद्बोधन दिया। उन्होंने कहा कि मनुष्य को अपनी जिंदगी को कभी भी उपेक्षित नहीं करना चाहिए, बल्कि उसे समझकर, स्वीकार कर और आनंदपूर्वक जीना सीखना चाहिए। मुनि श्री ने कहा कि हमें जो भी जीवन प्रकृति से मिला है, उसका स्वागत करना चाहिए। जीवन को केवल गुजारना नहीं, बल्कि उसे सार्थक बनाना हमारा कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि कई लोग अपनी ही जिंदगी को कोसते रहते हैं, जबकि मनुष्य जन्म मिलना अत्यंत दुर्लभ है। इसलिए हमें स्वयं को भाग्यशाली मानते हुए ईश्वर का आभार व्यक्त करना चाहिए। जैसे ही व्यक्ति अपने जीवन को स्वीकार करता है, उसका विकास स्वतः प्रारंभ हो जाता है। उन्होंने श्रद्धा और भक्ति की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भगवान की मूर्ति में भी अपार शक्ति होती है। सच्ची श्रद्धा और अंतरात्मा से की गई भक्ति व्यक्ति को आत्मिक बल प्रदान करती है। उन्होंने यह भी कहा कि जिस कार्य में हमारा कोई योगदान नहीं हो, उससे लाभ पाने की अपेक्षा नहीं करनी चाहिए। जैसे यदि हम किसी पेड़ से ऊर्जा चाहते हैं, तो पहले हमें उसका पालन-पोषण भी करना चाहिए। मुनि श्री ने उदाहरण देते हुए कहा कि किसान की सादी रोटी में भी अपार शक्ति होती है, क्योंकि उसमें श्रम और सच्चाई का भाव होता है। इसके विपरीत, केवल स्वाद और दिखावे के लिए बनाया गया भोजन व्यक्ति की भूख तो मिटा सकता है, लेकिन आत्मिक संतोष नहीं दे सकता। उन्होंने कहा कि आज हर व्यक्ति प्रसिद्धि चाहता है और पूरी दुनिया पर अपना प्रभुत्व स्थापित करना चाहता है, लेकिन सच्चा सुख बाहरी उपलब्धियों में नहीं, बल्कि आत्मिक संतुलन में निहित है। भगवान बनने की इच्छा रखने से पहले हमें उनके आदर्शों को अपनाना चाहिए। भगवान की पूजा उनकी प्रतिमा के माध्यम से इसलिए होती है क्योंकि वह श्रद्धा का प्रतीक है, और हर प्रतिमा में भक्तों की भावना के अनुसार विशेष शक्ति होती है। मुनि श्री ने मुंगावली के लोगों की बुद्धिमत्ता का उल्लेख करते हुए एक प्रसंग सुनाया, जिसमें उन्होंने बताया कि विवेक और समझदारी से कोई भी व्यक्ति ठगे जाने से बच सकता है। उन्होंने कहा कि जीवन में सकारात्मकता, प्रकाश और सुगंध भरने की आवश्यकता है। जैसे एक व्यक्ति ने केवल दीप जलाकर और वातावरण को सुगंधित कर सभा को श्रेष्ठ बना दिया, उसी प्रकार हमें भी अपने जीवन को अच्छे विचारों और कर्मों से प्रकाशित करना चाहिए। धर्मसभा के साथ जिज्ञासा समाधान कार्यक्रम भी आयोजित किया जा रहा है, जिसमें श्रद्धालु अपनी शंकाओं का समाधान प्राप्त कर रहे हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी उपस्थित रहे और मुनि श्री के प्रवचनों से प्रेरणा प्राप्त की।

न्याय-नीति से कमाया गया धन ही दान के योग्य—माताजी का संदेश

सुरेश चंद्र गांधी, नौगामा (जिला बांसवाड़ा, राजस्थान)

नौगामा। परम पूज्य आचार्य विभव सागर जी महाराज की शिष्या, सिद्धमत संघ सहित इन दिनों नौगामा नगर में विराजमान हैं। उनके सान्निध्य में प्रतिदिन प्रातः शांतिधारा एवं अभिषेक के पश्चात ''इष्टोपदेश'' के माध्यम से श्रद्धालु मंगल प्रवचन का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। आज के प्रवचन में माताजी ने धर्मप्रेमी बंधुओं को संबोधित करते हुए कहा कि अनीति और अन्याय से अर्जित धन कभी भी पुण्य का कारण नहीं बन सकता। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे कोई व्यक्ति पहले अपने शरीर पर कीचड़ लगा ले और फिर स्नान करे, तो यह वास्तविक शुद्धि नहीं कही जा सकती। उसी प्रकार जो व्यक्ति गलत तरीकों से धन कमाकर बाद में दान देने की सोचता है, उसे उससे वास्तविक लाभ नहीं मिल सकता। माताजी ने स्पष्ट किया कि न्याय और नीति से कमाया गया धन ही सच्चे अर्थों में दान के योग्य होता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को चाहिए कि वह अपने जीवन में ईमानदारी, परिश्रम और नैतिकता के आधार पर ही धन अर्जित करे। ऐसा धन ही जीवन में सार्थकता लाता है और वही वास्तविक पुण्य का कारण बनता है। अन्यथा अन्यायपूर्ण तरीके से अर्जित संपत्ति पाप का कारण बनती है। उन्होंने समाजजनों को संदेश दिया कि धर्म का पालन केवल बाहरी आडंबर से नहीं, बल्कि आचरण की शुद्धता से होता है। जीवन में सत्य, न्याय और संयम को अपनाना ही वास्तविक धर्म है। शाम के समय आचार्य भक्ति के पश्चात जैन पाठशाला के विद्यार्थियों को

संस्कारवान बनने का मार्ग भी बताया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। यह जानकारी जैन समाज प्रवक्ता सुरेश चंद्र गांधी द्वारा दी गई।

''जीवन कितना जिया यह आवश्यक नहीं, आवश्यक यह है कि कैसे जिया'': रोटे नितिन जैन

रोटरी जैसे वैश्विक संगठन का उद्देश्य केवल सेवा कार्य करना नहीं, बल्कि समाज में स्थायी और सकारात्मक परिवर्तन लाना है। इसी भावना को साकार करते हुए रोटे नितिन जैन–पूर्व अध्यक्ष, रोटरी क्लब ऑफ संस्कारधानी एवं मीडिया चेयरमैन, रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3261–निरंतर समाजहित में प्रेरणादायक कार्य कर रहे हैं। रोटरी के सात प्रमुख सेवा क्षेत्र–शांति एवं संघर्ष समाधान, रोग निवारण और उपचार, जल एवं स्वच्छता, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, बुनियादी शिक्षा एवं साक्षरता, आर्थिक एवं सामुदायिक विकास तथा पर्यावरण संरक्षण–के माध्यम से समाज के हर वर्ग तक सकारात्मक बदलाव पहुंचाने का प्रयास किया जाता है। इन क्षेत्रों में कार्य करना केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक दीर्घकालिक संकल्प है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर भविष्य का निर्माण करता है। रोटे नितिन जैन का मानना है कि सेवा तभी सार्थक होती है, जब वह निरंतर, संगठित और समर्पित प्रयासों के साथ की जाए।

Rotary

जरूरतमंदों के लिए स्वास्थ्य शिविर आयोजित करना, शिक्षा के क्षेत्र में बच्चों को प्रोत्साहित करना, या पर्यावरण और जल संरक्षण के लिए जनजागरूकता अभियान चलाना–हर पहल समाज में नई ऊर्जा और आशा का संचार करती है। वे अपने जीवन में इस विचार को आत्मसात करते हैं कि जीवन की लंबाई नहीं, बल्कि उसकी गुणवत्ता महत्वपूर्ण होती है। ''जीवन कितना जिया यह आवश्यक नहीं है, आवश्यक यह है कि कैसे जिया'' यह उनका मूल जीवन दर्शन है, जो उन्हें निरंतर सेवा के मार्ग पर अग्रसर रखता है। आज आवश्यकता है कि हम सभी रोटरी के इन सातों सेवा क्षेत्रों को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं और छोटे-छोटे प्रयासों के माध्यम से बड़े बदलाव की दिशा में कदम बढ़ाएं। समाज सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण और जल संरक्षण जैसे क्षेत्रों में सक्रिय सहभागिता से ही एक सशक्त, समृद्ध और जागरूक समाज का निर्माण संभव है। ''सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है'' इसी संदेश के साथ रोटे नितिन जैन हम सभी को प्रेरित करते हैं कि हम अपने कर्मों के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाएं और रोटरी के मूल्यों को आगे बढ़ाएं।

भारतीय जैन मिलन के क्षेत्रीय पदाधिकारियों ने शाखाओं का किया भ्रमण

अशोकनगर. शाबाश इंडिया। भारतीय जैन मिलन के क्षेत्रीय मंत्री निर्मल जैन मिर्ची एवं राष्ट्रीय संयोजिका विनीता जैन ने क्षेत्र की विभिन्न शाखाओं का भ्रमण कर संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा की। भ्रमण के दौरान सबसे पहले मुंगावली पहुंचकर उन्होंने शाखा अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों से भेंट की। इस अवसर पर नगर में विराजमान पूज्य निर्यापक मुनि श्री सुधासागर जी महाराज के दर्शनार्थ बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए की जा रही भोजन व्यवस्था का अवलोकन किया। जैन मिलन मुंगावली द्वारा इस सेवा कार्य में सक्रिय सहयोग किया जा रहा है। क्षेत्रीय पदाधिकारियों ने व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए शाखा अध्यक्ष वीर राकेश जैन एवं उनकी टीम से चर्चा की तथा जैन मिलन के सेवा कार्यों को और अधिक विस्तार देने का आग्रह किया। इसके पश्चात वे बहादुरपुर पहुंचे, जहां शाखा अध्यक्ष सौरभ जैन, मंत्री नीरज मोदी एवं संरक्षक संजय मोदी से संगठन की गतिविधियों पर चर्चा की। इस अवसर पर क्षेत्रीय पदाधिकारियों द्वारा शाखा को सम्मान स्वरूप स्मृति-चिन्ह भी भेंट किया गया। भ्रमण के अगले चरण में अथाईखेड़ा पहुंचकर शाखा अध्यक्ष कमल जैन से मुलाकात की गई। कमल जैन ने बताया कि आगामी दिनों में पूज्य निर्यापक मुनि श्री सुधासागर जी महाराज का अथाईखेड़ा में आगमन प्रस्तावित है, जिसकी तैयारियां जोर-शोर से की जा रही हैं। इस दौरान क्षेत्रीय पदाधिकारियों ने सभी शाखाओं से संगठनात्मक मजबूती, सेवा कार्यों के विस्तार एवं सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

॥ श्री नेमिनाथाय नमः॥

श्री 1008 नेमिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर

नेमीसागर कॉलोनी, जयपुर

श्री 1008 नेमीनाथ भगवान

नेमिसागर कॉलोनी के कण-कण में हर्ष और उत्साह की लहर छाई हुई है।

परम पूज्य आचार्य 108 श्री शांतिसागर जी महाराज की पावन परम्परा के लघुनंदन

वात्सल्य वारिधि, जिनधर्म प्रभावक,

राष्ट्रगौरव पंचम पट्टाचार्य परम पूज्य आचार्य 108 श्री

वर्धमानसागर जी महाराज

ससंघ

नेमीसागर कॉलोनी में

पावन आगमन हो रहा है।

यह हमारे लिए अत्यंत सौभाग्य एवं पुण्य का अवसर है।

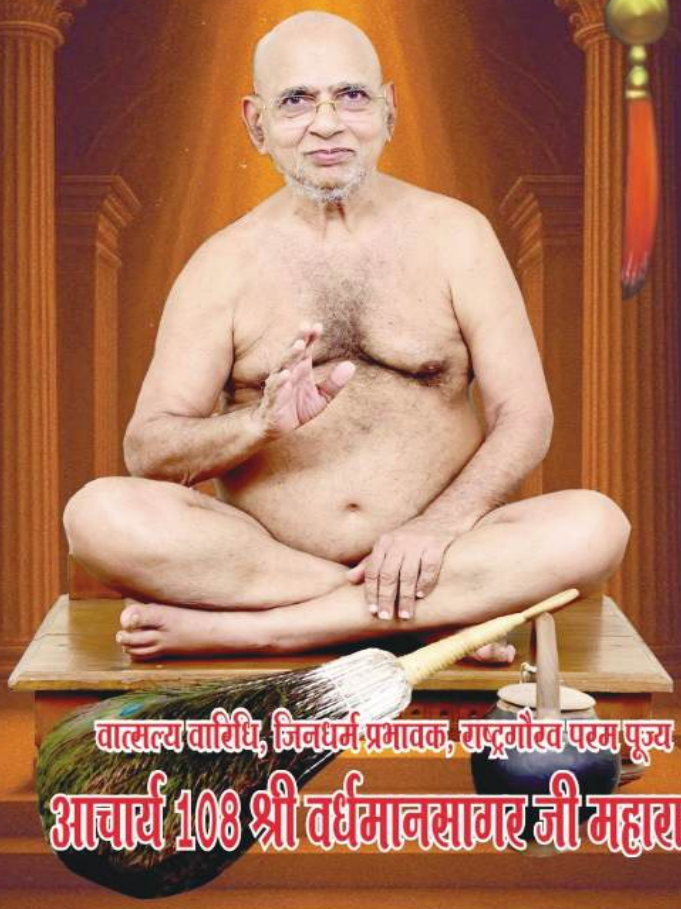

वात्सल्य वारिधि, जिनधर्म प्रभावक, राष्ट्रगौरव परम पूज्य

आचार्य 108 श्री वर्धमानसागर जी महाराज

भव्य मंगल प्रवेश

27 अप्रैल 2026

प्रातः 7.30 बजे

आप सभी धर्मप्रेमी बंधु-भगिनी अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस पावन क्षण के साक्षी बनें एवं धर्म लाभ प्राप्त करें।

निवेदक एवं आयोजक

अध्यक्ष
जे.के. जैन कालाडेरा

संरक्षकगण- श्री हंसराज गंगवाल, श्री गजराज गंगवाल

उपाध्यक्ष
अनिल जैन धुआंवाले

संयुक्त मंत्री
संजीव कासलीवाल

कोषाध्यक्ष
एन.के. जैन

मंत्री
प्रदीप निगोतिया

सदस्यगण - सुभाष बगड़ा, सुभाष अजमेरा, पूनम चन्द ठोलिया, महेन्द्र बिलाला, नीरज पहाड़िया, विपिन पाटनी, वीरेन्द्र गोधा, राजेश गंगवाल, मंजु देवी सेठी, रचना गोयल

श्री नेमीनाथ दिगम्बर जैन समाज समिति, नेमीसागर कॉलोनी, जयपुर

मुद्रक : राजू ग्राफिक आर्ट (संदीप शाह) जयपुर मो. 9829050791

न्याय की ओर बढ़ते कदम: महिलाओं के अधिकारों हेतु जागरूकता अभियान

जयपुर. शाबाश इंडिया

मानव सेवा ट्रस्ट, राजस्थान एवं युवा शक्ति सेवा संस्थान द्वारा, **Seedling School of Law and Governance** के सहयोग से महिलाओं के अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से ''नारी के लिए न्याय'' विषय पर निःशुल्क विधिक सहायता शिविर का आयोजन जगतपुरा स्थित शिवालिक उच्च माध्यमिक विद्यालय में किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय महिलाओं, बालिकाओं एवं समुदाय के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च सेंटर के वरिष्ठ आचार्य व चिकित्सक, ट्रस्ट सदस्य एवं मीडिया प्रभारी प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना ने बताया कि शिविर का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें निःशुल्क विधिक परामर्श उपलब्ध कराना है। महिला सशक्तिकरण फाउंडेशन की अध्यक्ष दुर्गा वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि सशक्त नारी ही सशक्त समाज और सशक्त कानून की आधारशिला है। उन्होंने जोर दिया कि जागरूकता के माध्यम से महिलाओं को न्याय तक सहज पहुँच दिलाई जा सकती है। युवा शक्ति सेवा संस्थान के अध्यक्ष युवराज मुंडोतिया ने जानकारी दी कि शिविर में विधि विशेषज्ञों एवं विधि विद्यार्थियों द्वारा घरेलू हिंसा, महिला सुरक्षा, संपत्ति अधिकार, विवाह एवं पारिवारिक कानून जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से

जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान नुक्कड़ नाटक के माध्यम से भी महिलाओं के अधिकारों एवं कानूनी प्रावधानों को सरल और प्रभावी तरीके से प्रस्तुत किया गया, जिससे उपस्थित लोगों में जागरूकता और समझ बढ़ी। साथ ही महिलाओं को उनकी व्यक्तिगत समस्याओं के समाधान हेतु परामर्श दिया गया और विभिन्न सरकारी योजनाओं व कानूनी सहायता सेवाओं की जानकारी प्रदान की गई। आयोजन समिति में संयोजक सुश्री प्रिंसी वर्मा, सह-संयोजक सुश्री निहारिका कुमारी एवं सुश्री वर्षा धाकड़ तथा छात्र संयोजक यश लोधा का विशेष योगदान रहा। ट्रस्ट के प्रबंध निदेशक कौशल सत्यार्थी ने बताया कि भविष्य में भी ऐसे निःशुल्क विधिक सहायता शिविर एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे, ताकि समाज के हर वर्ग तक न्याय और अधिकारों की जानकारी पहुँच सके। इस अवसर पर निदेशक अरविंद सिंह भाटी, निशा बंसल, पूजा नारनिया, देव नारायण, सुनीता देवी, अंजू प्रजापति, तनु, वंदना, लविना, प्रकाश, मनीष सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

प्रशासन की सक्रियता और गुर्जर समाज के सहयोग से संपन्न हुआ श्रमण ससंघ का पिपलाई विहार

बामनवास (सवाई माधोपुर). शाबाश इंडिया

क्षमा मूर्ति आचार्य विशद सागर जी महाराज का ससंघ पहली बार पिपलाई की धरा पर मंगल प्रवेश हुआ। इस ऐतिहासिक आगमन से संपूर्ण क्षेत्र धर्ममय हो गया। पिपलाई दिगंबर जैन मंदिर में भगवान महावीर, पार्श्वनाथ और शांतिनाथ के दर्शन के पश्चात मुनि संघ ने ध्यान किया। उल्लेखनीय है कि राजस्थान सरकार के संकल्प पत्र के अनुरूप, अल्पसंख्यक जैन समुदाय के श्रमणों के पैदल विहार हेतु चिन्हित भूमि का आचार्य विलक्ष्य सागर एवं विशाल सागर जी महाराज ने निरीक्षण किया और यहाँ 'विहार धाम' बनाने का आशीर्वाद प्रदान किया। सवाई माधोपुर प्रशासन द्वारा साधु-साध्वियों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और ठहरने की समुचित व्यवस्था की गई, जिसकी आचार्य संघ ने मुक्तकंठ से सराहना की। इसी प्रवास के दौरान राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, खेड़ली में आर्यिका श्री भक्ति भारती माताजी ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने तनाव प्रबंधन, करियर विकल्पों और शिक्षा के क्षेत्र में भगवान ऋषभदेव के योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। सामाजिक सौहार्द की मिसाल पेश करते हुए, खेड़ली गांव के सोन्या गुर्जर और दिलीप गुर्जर के आवास पर श्रमण संघ के आहार एवं ठहरने की व्यवस्था की गई। गुर्जर समाज के इस आत्मीय सहयोग के लिए जैन समुदाय ने उनका आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मुनि विपिन सागर, विभोर सागर, क्षुल्लक विसोम सागर एवं आर्यिका संघ का सानिध्य पाकर श्रावक भाव-विभोर हो उठे। आचार्य श्री ने प्रदेश की उन्नति और खुशहाली का मंगल आशीष प्रदान किया।

तीर्थंकर बालक आदिनाथ के जन्म कल्याणक पर उमड़ा आस्था का सैलाब, 1008 कलशों से हुआ अभिषेक

आगरा. शाबाश इंडिया। अयोध्या नगरी (हरीपर्वत) स्थित एम.डी. जैन इंटर कॉलेज मैदान में चल रहे श्री आदिनाथ जिनबिंब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का दूसरा दिन 'जन्म कल्याणक' के रूप में श्रद्धापूर्वक मनाया गया। मेडिटेशन गुरु उपाध्याय श्री विहसंत सागर जी महाराज के सानिध्य में आयोजित इस उत्सव में समूचा आगरा जैन समाज उमड़ पड़ा। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रतिष्ठाचार्य जय निशांत जैन एवं विधानाचार्य संदीप जैन के निर्देशन में जिनाभिषेक और शांतिधारा से हुआ। जैसे ही माता मरूदेवी द्वारा तीर्थंकर बालक के जन्म का संदेश गूंजा, पूरा पंडाल जयकारों से गुंजायमान हो उठा। इस अवसर पर निकाली गई भव्य शोभायात्रा में तीर्थंकर बालक को ऐरावत हाथी पर विराजमान कर नगर भ्रमण कराया गया। कुबेर स्वरूप श्रद्धालुओं द्वारा की गई प्रतीकात्मक 'रत्न वर्षा' और ताश बैंड की धुनों ने वातावरण को दिव्य बना दिया। नगर भ्रमण के उपरांत बालक की प्रतिमा को पांडुक शिला (कैलाश पर्वत) पर विराजमान कर 1008 स्वर्ण कलशों से महामस्तकाभिषेक किया गया। शाम को सौधर्म इंद्र का तांडव नृत्य और पालना उत्सव विशेष आकर्षण रहे। उपाध्याय श्री विहसंत सागर जी ने अपने प्रवचन में कहा कि तीर्थंकर का जन्म आत्म-कल्याण और संयम का मार्ग प्रशस्त करता है। आयोजन में मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत पौनिया, नितेश शिवहरे और दिनेश भारत सहित प्रदीप जैन (पीएनसी) व अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे। मीडिया प्रभारी शुभम जैन ने बताया कि 25 अप्रैल को प्रातः तीर्थंकर बालक का 'तप कल्याणक' महोत्सव मनाया जाएगा, जिसमें प्रभु के वैराग्य और दीक्षा के दृश्यों का सजीव चित्रण होगा।

काशीपुरा जैन मंदिर में वेदी प्रतिष्ठा महा महोत्सव का भव्य शुभारंभ, ध्वजारोहण व याग मंडल विधान में झूमे श्रद्धालु

रविवार को नवीन वेदियों में विराजमान होंगे जिनबिम्ब

जयपुर/कोटखावदा. शाबाश इंडिया। काशीपुरा स्थित श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में विनीत धाम प्रणेता विद्या वारिधि पट्टाचार्य 108 विनीत सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में तीन दिवसीय वेदी प्रतिष्ठा महा महोत्सव का शुक्रवार को भव्य शुभारंभ ध्वजारोहण के साथ हुआ। इससे पूर्व घटयात्रा एवं श्रीजी की पालकी शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। समिति अध्यक्ष बाबूलाल गोधा एवं मंत्री विनोद गंगवाल ने बताया कि यह महोत्सव 24 से 26 अप्रैल तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें विधानाचार्य पं. विमल कुमार जैन (बनेठा) के निर्देशन में विविध धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हो रहे हैं। शुक्रवार को प्रातः जिनदर्शन एवं आचार्य भक्ति के पश्चात घटयात्रा एवं पालकी शोभायात्रा निकाली गई। महिलाएं मंगल कलश लेकर भजन गाती हुई शोभायात्रा में सम्मिलित हुईं। विभिन्न मार्गों से होती हुई यात्रा समारोह स्थल पहुंची, जहां ध्वजारोहण के साथ महोत्सव का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर राजस्थान जैन सभा जयपुर के उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। आचार्य विनीत सागर महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि मंदिर का 13 वर्ष बाद जीर्णोद्धार हुआ है, इसलिए इस अवसर को जीवन में यादगार बनाते हुए तन, मन और धन से धर्म साधना करें। उन्होंने कहा कि पुण्य ही मोक्ष का निमित्त बनता है। दोपहर में सकलीकरण के पश्चात याग मंडल विधान का आयोजन किया गया, जिसमें इंद्र-इंद्राणियों द्वारा विभिन्न पूजाएं संपन्न कराई गईं। श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए धर्मलाभ प्राप्त किया। शाम को महाआरती के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। प्रचार-प्रसार संयोजक दीपक गोधा एवं अमन जैन ने बताया कि आयोजन में विभिन्न श्रद्धालुओं द्वारा पूजन, दीप प्रज्ज्वलन एवं अन्य धार्मिक कार्यों का पुण्यार्जन किया गया। शनिवार 25 अप्रैल को अभिषेक, पूजा, आचार्य श्री के मंगल प्रवचन, वेदी शुद्धि संस्कार, वास्तु पूजा एवं विधान पूजन जैसे कार्यक्रम आयोजित होंगे। सायंकाल महाआरती के पश्चात सांस्कृतिक आयोजन भी होंगे। रविवार 26 अप्रैल को प्रातः अभिषेक एवं शांतिधारा के बाद आचार्य श्री के प्रवचन होंगे। प्रातः 10:15 बजे श्रीजी की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसके पश्चात नवीन वेदियों में जिनबिम्बों को विधिवत विराजमान कराया जाएगा। इसके बाद सामूहिक महाआरती एवं वात्सल्य सहभोज का आयोजन किया जाएगा।

400 वर्ष प्राचीन मंदिर का हुआ जीर्णोद्धार

राजस्थान जैन सभा जयपुर के उपाध्यक्ष विनोद जैन ने बताया कि काशीपुरा स्थित श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर लगभग 400 वर्ष प्राचीन है। हाल ही में समाजजनों के सहयोग से मंदिर का जीर्णोद्धार कर वेदियों को नवीन स्वरूप प्रदान किया गया है। यहां मूलनायक के रूप में 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ की प्राचीन एवं अतिशयकारी पद्मासन प्रतिमा विराजमान है।

आचार्य विशद सागर महाराज ससंघ का कोटखावदा में भव्य मंगल प्रवेश

कोटखावदा. शाबाश इंडिया। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर अतिशय क्षेत्र, कोटखावदा में शुक्रवार सायंकाल गणाचार्य विराग सागर महाराज के परम शिष्य आचार्य विशद सागर जी महाराज ससंघ (7 पिच्छिका) का गाजे-बाजे के साथ भव्य मंगल प्रवेश हुआ। समिति अध्यक्ष महावीर गंगवाल एवं प्रचार संयोजक अमन जैन (कोटखावदा) के अनुसार आचार्य संघ पन्ना (मध्य प्रदेश) से पदविहार करते हुए श्री महावीरजी, गंगापुर सिटी एवं लालसोट होते हुए शुक्रवार सायंकाल विशाल जुलूस के रूप में कोटखावदा पहुँचा। गणेश बगीची, कोटखावदा पर सकल जैन समाज ने आचार्य संघ की भव्य अगवानी की। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष महावीर गंगवाल, मंत्री पंकज वैद, शांतिलाल चांदवाड़, दीपक वैद, हेमराज जैन, अशोक पाटोदी, रीतेश (गोलू) वैद, अमन जैन, अक्षय जैन, संतोष गंगवाल, गुड्डी जैन, रानी जैन, रींकू वैद, संतोष पाटोदी सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे। पूर्व मंत्री दीपक वैद एवं अशोक पाटोदी ने बताया कि आचार्य संघ ने गुना (मध्य प्रदेश) से लगभग 1500 किलोमीटर का पदविहार करते हुए कोटखावदा पहुंचा है। आगामी कार्यक्रम के अनुसार 25 अप्रैल (शनिवार) को छोटा गिरनार के लिए प्रस्थान होगा तथा 26 अप्रैल को श्री दिगंबर जैन मंदिर अतिशय क्षेत्र, बड़ा पदमपुरा में भव्य मंगल प्रवेश किया जाएगा।

सीएआईटी के तीसरी बार राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चुने जाने पर रमेश गुप्ता का भव्य स्वागत

इंदौर. शाबाश इंडिया। कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (सीएआईटी) की नई दिल्ली स्थित होटल बेला मोंडे में आयोजित एजीएम बैठक में इंदौर निवासी रमेश गुप्ता को तीसरी बार निर्विरोध राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चुने जाने पर शहर के विभिन्न व्यापारी संगठनों द्वारा जंजीरवाला चौराहा स्थित हॉल में पारंपरिक तरीके से भव्य स्वागत किया गया। स्वागत समारोह में सियागंज एसोसिएशन के कार्यकारी अध्यक्ष धीरज खंडेलवाल, अनाज तिलहन व्यापारी संगठन से विजय लाला एवं वरुण मंगल, पोलोग्राउंड एसोसिएशन से धीरेन्द्र पटेल और विनय कालानी, मावा एसोसिएशन से कैलाश खंडेलवाल, सीएआईटी से ट्रस्ट चेयरमैन धर्मेंद्र खंडेलवाल एवं कटारिया जी, इंदौर अध्यक्ष मनीष बिसानी तथा एफएमसीजी से प्रदेश उपाध्यक्ष उमेश तिवारी सहित अनेक व्यापारी प्रतिनिधि उपस्थित रहे। रमेश गुप्ता ने स्वागत के उपरांत अपने उद्बोधन में कहा कि वे व्यापार जगत की समस्याओं के समाधान के लिए सदैव तत्पर रहेंगे और स्थानीय प्रशासन से लेकर केंद्र स्तर तक व्यापारियों की आवाज मजबूती से उठाते रहेंगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि जरूरत पड़ने पर वे हर समय उपलब्ध रहेंगे। इस अवसर पर विपिन गुप्ता ने आभार व्यक्त किया। इंदौर आगमन पर खंडेलवाल समाज के व्यापारियों ने रेजिडेंसी क्लब में भी उनका सम्मान किया। इस दौरान कबूली चना निर्यात संघ से बृजेश खंडेलवाल, दाल मिल एसोसिएशन से दिनेश कूलवाल एवं राजेंद्र खंडेलवाल, ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन से सुनील खंडेलवाल, सीए एसोसिएशन से सीए सुनील खंडेलवाल, सीए शुभम खंडेलवाल, सीए एस.के. खंडेलवाल, डॉ. झकोठिया, डॉ. एम.के. जैन सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। एजीएम बैठक में सर्वसम्मति से बी.सी. भरतिया को अध्यक्ष, लोकसभा सांसद प्रवीण खंडेलवाल को सेक्रेटरी जनरल, रमेश गुप्ता (इंदौर), प्रकाश बैद (तिनसुकिया, असम), चंपालाल बोथरा (सूरत) और शंकर ठक्कर (मुंबई) को उपाध्यक्ष, संजय पटवारी (झांसी) को सेक्रेटरी, भूपेंद्र जैन (ग्वालियर) को राष्ट्रीय संगठन मंत्री, सीमा सेठी (जयपुर) को महिला प्रकोष्ठ की चेयरमैन तथा नवनीत गोयल (पूर्व सीजीएसटी कमिश्नर, भोपाल) को रीजनल कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया गया।

FORNIGHTLY : RAJHIN/2013/50192 Since : 2013 WEEKLY : RAJHIN/2013/53754

शाबाश इंडिया

दैनिक ई-पेपर, साप्ताहिक एवं पाक्षिक समाचार पत्र

राकेश जैन गोदिका
प्रधान संपादक
9414078380, 9214078380

shabaasindia.com YouTube SHABAASH INDIA NEWS rakeshgodika@gmail.com shabaasindia@gmail.com

14 वें स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर

शाबाश इंडिया प्रस्तुत करता है

BOLLYWOOD NIGHT

Soulful Melodies

Musical Night

श्री संजय रायजादा
अन्तर्राष्ट्रीय गायक
(ए.बी.सी.एल. फेम)

डॉ. गौरव जैन
अन्तर्राष्ट्रीय गायक
(ए.आर. रहमान फेम)

श्री राकेश कुमार
अन्तर्राष्ट्रीय गायक

श्रीमती दीपशिखा जैन
प्रसिद्ध गायिका
(सोनी टीवी गुरूकुल फेम)

श्रीमती नेहा जैन
प्रसिद्ध गायिका

श्रीमती समता गोदिका
प्रसिद्ध गायिका

शनिवार, 2 मई 2026
समय : सायं 7:00 बजे से

स्थान : वर्धमान सभागार
श्री महावीर स्कुल प्रांगण, सी-स्कीम, जयपुर

स्थापना दिवस विशेषांक का विमोचन

विमोचनकर्त्ता :
श्रीमान् सुरेन्द्र जी पाण्ड्या
प्रमुख समाज सेवी

यू-ट्यूब चैनल का भव्य शुभारम्भ

शाबाश इंडिया

उद्घाटनकर्त्ता :
डॉ. पी. सी. जैन
प्रमुख समाज सेवी

प्रतिभा सम्मान

श्रीमान् सौरभ जैन
10 WORLD RECORD HOLDER
(Motivational Speaker)

सम्मानीय अतिथिगण

समारोह गौरव
श्रीमान् नन्द किशोर जी प्रमोद जी पहाड़िया
ए.आर.एल. ग्रुप

अध्यक्षता
श्रीमान् सुधाशुं जी कासलीवाल
अध्यक्ष–अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी

मुख्य अतिथि
श्रीमान् उमराव मल जी संघी
अध्यक्ष–श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद्

दीप प्रज्ज्वलनकर्त्ता
श्रीमान् महेश जी काला
अध्यक्ष–वीर सेवक मण्डल

विशिष्ट अतिथि
श्रीमान् शैलेन्द्र जी गोधा
सम्पादक–दैनिक समाचार जगत

विशिष्ट अतिथि
श्रीमान् जे.के. जैन (कालाडेरा वाले)
अध्यक्ष–नेमीनाथ दिगम्बर जैन समाज समीति

विशिष्ट अतिथि
इंजी. डी.एम. जैन
रिटा. चीफ इंजीनियर

विशिष्ट अतिथि
श्रीमान् पदम जी बीलाला
प्रमुख समाजसेवी

विशिष्ट अतिथि
श्रीमान् मनीष जी लोंगया
प्रमुख समाजसेवी

आप सपरिवार इष्टमित्रों सहित सादर आमंत्रित हैं।

निवेदक : **राकेश – समता गोदिका**

❊ राजेश – अंजना गोदिका ❊ दिनेश – मीतू गोदिका ❊ राज – एस.के. जैन ❊ सक्षम – आरुषी गोदिका
❊ रचिता – सिद्धार्थ खूटेंटा ❊ अद्धिता, रितिशा खूटेंटा एवं समस्त शाबाश इंडिया परिवार

कार्यालय : प्लॉट नं. 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड़, टोंक रोड़, जयपुर ❊ मो. 9414078380, 9214078380

Nitesh Jain Pandya 9314263204
वर्धमान प्रिण्टर्स
51/341, सेक्टर-5, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर
Wedding Card, Flax, Bill Books, Envelop
Visiting Card, Poster Computer Graphics
All Type of Printing Soluation

Printed by : VARDHMAN PRINTERS # 9314263204

'एक पहल हर कदम: मानवता सेवा की ओर'— वृद्धाश्रम में सेवा एवं स्नेह का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद, हेरिटेज संभाग (गुलाबी नगरी) द्वारा जौहरी बाजार स्थित श्री आदिनाथ स्वास्थ्य निधि वृद्धाश्रम में ''हर कदम मानवता सेवा की ओर'' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य वृद्धाश्रम में निवास कर रहे वरिष्ठजनों के साथ समय बिताकर उन्हें स्नेह, सम्मान और अपनत्व का अनुभव कराना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ अध्यक्ष रूपेंद्र जैन के निर्देशन में श्री णमोकार मंत्र के उच्चारण के साथ किया गया। इसके पश्चात संयोजक अंजना शाह के नेतृत्व में वृद्धाश्रम के सदस्यों के लिए धार्मिक प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विजेता प्रतिभागियों को सम्मानपूर्वक उपहार भेंट किए गए। इस अवसर पर युवा परिषद के सदस्यों ने सभी वरिष्ठजनों को अपने हाथों से वात्सल्य भाव से भोजन करवाया, जिससे वातावरण भावुक और आत्मीय बन गया। साथ ही प्रेम देवी पाटनी (जगतपुरा) की ओर से सभी निवासियों को वस्त्र भेंट किए गए, जिससे उनके चेहरों पर प्रसन्नता झलक उठी। कार्यक्रम में प्रदेश मंत्री विनोद पापड़ीवाल, महिला समिति की अध्यक्ष डॉ. शीला जैन, वरिष्ठ सलाहकार अजीत सौगानी, मंत्री नरेश छाबड़ा, राजेश सेठी, अरुण पाटनी, मनीता छाबड़ा, सुशीला जैन, ममता जैन एवं संजय शाह सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। यह आयोजन सेवा, संवेदना और संस्कार का सुंदर उदाहरण बना, जिसमें युवा पीढ़ी ने वरिष्ठजनों के साथ समय बिताकर मानवता के मूल्यों को सशक्त रूप से प्रदर्शित किया।

शाबाश इंडिया

प्रस्तुत करते हैं

स्थापना दिवस विशेषांक

ग्लेज्ड पेपर पर प्रकाशित... आकर्षक छपाई... पूर्णतया रंगीन

13 वर्षों का अटूट विश्वास... अब 14वें वर्ष की नई उड़ान!

'शाबाश इंडिया' के 14वें स्थापना दिवस पर हम लेकर आ रहे हैं एक बेमिसाल प्रस्तुति:

''स्थापना दिवस विशेषांक''

विमोचन: 2 मई, 2026 | वर्धमान सभागार, महावीर स्कूल सी-स्कीम में सायं 7 बजे भव्य समारोह

राजनीति, व्यापार, और अर्थ जगत का ऐसा गहरा विश्लेषण जो पहले कभी नहीं देखा। एक ऐसा अंक, जिसे आप पढ़ना ही नहीं, संभाल कर रखना भी चाहेंगे।

''हर खबर में दम, हर विश्लेषण में गहराई''

विज्ञापनदाताओं के लिए एक सुनहरा अवसर

उच्च स्तरीय ब्रांडिंग	टारगेटेड एडवरटाइजिंग	विश्वसनीयता	आकर्षक छपाई
राज्य के प्रमुख शहरों में प्रबुद्ध पाठक वर्ग होने से उच्च स्तरीय ब्रांडिंग का एक बेहतरीन विकल्प है।	अधिकतम पाठक मध्यम, उच्च मध्यम एवं उच्च आय वर्ग के हैं, जो विज्ञापन के लिहाज से टारगेटेड कस्टमर होते हैं।	शाबाश इंडिया की निष्पक्ष व तथ्यपरक खबरों से बनी छवि इसके विज्ञापनदाता की विश्वसनीयता को भी बढ़ाती है।	विज्ञापनों की स्पष्ट एवं आकर्षक छपाई के लिए दिल्ली की प्रतिष्ठित प्रेस से ग्लेज्ड पेपर पर पूर्णतया रंगीन प्रकाशित होगा।

स्थापना दिवस विशेषांक में विज्ञापन एवं आलेख प्रकाशित करवाने के लिए सम्पर्क करें:

राकेश गोदिका, प्रधान सम्पादक

मोबाइल: 9414078380, 9214078380 rakeshgodika@gmail.com, shabaasindia@gmail.com

तीर्थंकरों की धर्म परंपरा त्याग, संयम, वैराग्य और शांति का जीवंत मार्ग: आचार्य वर्धमान सागर

सरावगी परिवार ने मंदिर परिसर के लिए भूखंड किया दान, आज प्रातः श्याम नगर से होगा मंगल विहार

जयपुर. शाबाश इंडिया

आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज 35 पिच्छी संघ सहित इन दिनों श्याम नगर, जयपुर में विराजमान हैं। आचार्य श्री शनिवार प्रातः संघ सहित विहार कर निर्माण नगर कॉलोनी के लिए प्रस्थान करेंगे। गुरुभक्त सुरेश सबलावत ने बताया कि आचार्य श्री के सानिध्य में दोपहर में अष्ट द्रव्यों, विभिन्न फलों, नैवेद्य एवं पुष्पों से पूजन किया गया। साथ ही भक्तामर महामंडल विधान का आयोजन संगीत के साथ सम्पन्न हुआ, जिसमें इंद्र-इंद्राणियों ने भक्ति नृत्य करते हुए मंडल पर अष्ट द्रव्यों से श्रीजी की आराधना की।

धर्म प्रभावना का निरंतर क्रम

सुरेश सबलावत के अनुसार आचार्य वर्धमान सागर महाराज ने श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में पंचकल्याणक एवं जिनेश्वरी दीक्षा प्रदान कर जयपुर की ओर विहार किया था। तब से शहर में निरंतर धर्म प्रभावना का क्रम जारी है। पदमपुरा से खनिया चूलगिरी में मंगल प्रवेश के पश्चात चूलगिरी पर्वत स्थित भगवान महावीर की खड्गासन प्रतिमा का दो बार पंचामृत अभिषेक किया गया। इसके बाद आचार्य संघ का चौकड़ी मोदी खाना में मंगल प्रवेश हुआ तथा श्री दिगंबर जैन मंदिर पाटोदी में लगभग आठ दिन का प्रवास रहा। इस दौरान प्राचीन जिनालयों के पुरातात्विक महत्व की जानकारी दी गई। तत्पश्चात आचार्य संघ भट्टारक जी की नसिया पहुंचा, जहां आठ दिवसीय प्रवास के दौरान धर्म की महिमा का व्यापक प्रचार हुआ। विरासत संरक्षण विषय पर आयोजित संगोष्ठी में प्राचीन जैन मंदिरों के संरक्षण का संदेश दिया गया। सी-स्कीम स्थित श्री महावीर दिगंबर जैन स्कूल में विश्व णमोकार दिवस पर बच्चों को णमोकार महामंत्र का महत्व और उसके जीवन पर प्रभाव के बारे में बताया गया। इसके उपरांत श्याम नगर स्थित श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर एवं महावीर मंदिर में लगभग 15 दिन का प्रवास रहा।

सरावगी परिवार ने किया भूखंड दान

आचार्य श्री के उपदेशों से प्रेरित होकर श्याम नगर निवासी भंवरलाल-बाबूलाल सरावगी परिवार ने मंदिर परिसर के विस्तार एवं साधु-संतों की सेवा व्यवस्था हेतु 323 वर्ग गज भूमि दान स्वरूप समर्पित की।

प्रवचन में दिया धर्म संदेश

शुक्रवार की धर्मसभा में आचार्य श्री ने 24 तीर्थंकरों की परंपरा, त्याग, दान, संयम एवं संस्कृति की महिमा पर प्रकाश डाला। उन्होंने गृहस्थ जीवन के अनिवार्य कर्तव्यों तथा चार दानों के सात क्षेत्रों का उल्लेख करते हुए कहा कि धन के तीन ही मार्ग हैं—भोग, नाश और दान। जो धन दान में लगाया जाता है, वही अक्षय बनता है।

मंगल विहार का कार्यक्रम

समिति अध्यक्ष निहालचंद पांड्या एवं सुरेश सबलावत ने बताया कि आचार्य श्री शनिवार प्रातः 6:00 बजे श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, श्याम नगर से विहार कर निर्माण नगर पहुंचेंगे। इसके पश्चात नमीसागर कॉलोनी, झोटवाड़ा होते हुए बड़ के बालाजी स्थित दिगंबर जैन मंदिर की ओर संघ सहित प्रस्थान करेंगे।